खास खबरें

फाइनल में नहीं पहुंच पाए नौका चालक अर्जुन और अरविंद

टोक्यो । भारतीय नौकाचालक अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह बुधवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में छठे और आखिरी स्थान पर रहकर ओलंपिक नौकायन के पुरुषों के लाइटवेट डबल स्कल्स के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। अर्जुन और अरविंद ने सी फोरेस्ट वाटरवे में छह टीमों के दूसरे सेमीफाइनल में छह मिनट 24.41 सेकेंड का समय लिया और यह भारतीय जोड़ी अंतिम स्थान पर रही। दोनों सेमीफाइनल में चोटी पर रहने वाली तीन– तीन टीमें फाइनल के लिये क्वालीफाई करती हैं। अर्जुन और अरविंद का सेमीफाइनल में पहुंचना ओलंपिक में भारतीयों नौकाचालकों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये दोनों शनिवार को अपनी हीट में पांचवें स्थान पर रहे थे। इससे इन दोनों ने अपने लिये कम से कम 12वां स्थान पक्का कर दिया था।

ओलंपिक के दौरान क्वारेंटाइन एथलीट ने इंतजामों पर उठाए सवाल, बोले- होटल में रहने की परिस्थितियां अमानवीय हैं

टोक्यो। कोविड–19 पॉजिटिव आने वाली एक ओलंपिक स्केटबोर्ड एथलीट ने बुधवार को कहा कि होटल में रहने की परिस्थितियां अमानवीय हैं। कैंडी जैकब्स आठ दिन से क्वारंटाइन में रह रही हैं और वह कोविड पॉजिटिव आने के कारण स्केटबोर्ड की स्ट्रीट स्पर्धा में हिस्सा नहीं ले सकीं। स्केटबोर्ड ओलंपिक खेलों में डेब्यू कर रहा है। इस खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें अधिकारियों को बाध्य करना पड़ा कि उन्हें उनकी निगरानी में कमरे से बाहर कुछ ताजी हवा लेने की अनुमति दी जाए क्योंकि उनके कमरे की खिड़कियां खुलती नहीं हैं। जैकब्स (31 वर्ष) ने इंस्टाग्राम पर अपने वीडियो संदेश में कहा, ताजा हवा नहीं लेने देना कितना अमानवीय है। यह मानसिक रूप से थकाने वाला है, मनुष्य जितना सहन कर सकता है, यह निश्चित रूप से उससे ज्यादा है। जैकब्स को ओलंपिक गांव से हटाकर क्वारंटाइनकी सुविधा में रखा गया। जैकब्स ने कहा कि क्वारंटाइन के सातवें दिन के बाद उन्होंने सात घंटे तक अधिकारियों से उन्हें एक खिड़की के सामने उनकी निगरानी में 15 मिनट तक खड़े रहकर ताजा हवा लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया जिसके बाद ही वे इसके लिये सहमत हुए।

ब्रिटेन के तैराकों ने रिले इवेंट में रचा इतिहास, यूएस टीम के हाथ लगी मायूसी

टोक्यो । एक शताब्दी से भी अधिक समय में ब्रिटेन ने बुधवार को टोक्यो ओलंपिक की तैराकी इवेंट में रिले स्पर्धा का गोल्ड जीता, जबकि अमेरिकी टीम पोडियम पर भी जगह नहीं बना पाई। ब्रिटेन ने दबदबा बनाते हुए मेंस चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल में जीत दर्ज की। टीम में 200 मीटर फ्रीस्टाइल के गोल्ड मेडल विजेता टॉम डीन, 200 मीटर के सिल्वर मेडल विजेता डंकन स्कॉट, तीन बार के ओलंपिक पदक विजेता जेम्स गाय और 18 साल के मैथ्यू रिचर्ड्स शामिल थे। ब्रिटेन की टीम ने छह मिनट 58.58 सेकेंड से खिताब जीता, लेकिन मामूली अंतर से वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने से चूक गई। अमेरिका ने रोम में 2009 में विश्व चैंपियनशिप में छह मिनट 58.55 सेकेंड का समय लिया था। अमेरिका टीम तैराकी के अपने गौरवपूर्ण इतिहास में रिले में हिस्सा लेते हुए पहली बार पदक जीतने में विफल रही। कीरन स्मिथ, ड्रयू किबलर, जैक ऐपल और टाउनले हास की अमेरिकी जोड़ी ने सात मिनट 3.24 सेकेंड का समय लिया और क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली रूस और ऑस्ट्रेलिया की टीम से भी पीछे रही। इस नतीजे से अमेरिका के महान तैराक माइकल फेल्प्स काफी नाराज दिखे जो अपने करियर के दौरान खिताब जीतने वाली कई रिले टीमों का हिस्सा रहे और टोक्यो एक्वाटिक्स सेंटर में टेलीविजन कमेंटेटर के रूप में मौजूद हैं।

बॉक्सर पूजा रानी क्वार्टर फाइनल में पहुंची, मेडल से बस एक कदम दूर

टोक्यो (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज पूजा रानी (75 किग्रा) ने बुधवार को ओलंपिक खेलों में डेब्यू करते हुए शुरुआती मुकाबले में अल्जीरिया की इचरक चाएब को 5–0 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तीस साल की भारतीय ने पूरे मुकाबले के दौरान अपने से 10 साल जूनियर प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। दो बार की एशियाई चैंपियन दाहिने हाथ के सीधे दमदार मुक्कों से नियंत्रण बनाये हुए थीं और उन्हें चाएब के रिंग में संतुलन की कमी का भी काफी फायदा मिला। तीनों राउंड में रानी का दबदबा रहा जबकि चाएब भी अपना पहला ओलंपिक खेल रही थीं लेकिन वह मुक्के सही जगह नहीं जड़ पा रही थीं। रानी ने विपक्षी से दूरी बनाकर चतुराई भरा प्रदर्शन किया। रानी ने पूरी बाउट के दौरान जवाबी हमले किए जबकि चाएब भी दमदार मुक्के लगाने का प्रयास कर रही थीं लेकिन वे अपने लक्ष्य से चूकते रही। रानी का ओलंपिक का सफर काफी मुश्किलों से भरा रहा है। वह कंधे की चोट से जूझती रहीं जिससे उनका करियर खत्म होने का भी डर बना हुआ था, उनका हाथ भी जल गया था। वित्तीय सहयोग की कमी के बावजूद वह यहां तक पहुंची हैं।

ब्रिटेन से 1-4 से हारी भारतीय महिला हॉकी टीम, लगातार तीसरी हार

टोक्यो (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम को दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद धीमी शुरुआत का खामियाजा ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 1–4 की हार के साथ भुगतना पड़ा जो टोक्यो ओलंपिक की महिला हॉकी स्पर्धा के पूल ए में उसकी लगातार तीसरी हार है। गत चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन की ओर से हेना मार्टिन (दूसरे और 19वें मिनट) ने दो जबकि लिली आउस्ले (41वें मिनट) और ग्रेस बाल्सडन (57वें मिनट) ने एक–एक गोल दागा। दुनिया की 11वें नंबर की टीम भारत की ओर से एकमात्र गोल शर्मिला देवी (23वें मिनट) ने किया। भारत को इससे पहले विश्व में नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ 1–5 और जर्मनी के खिलाफ 0–2 से हार झेलनी पड़ी थी। भारतीय टीम को पूल ए में अपने अंकों का खाता खुलने का अब भी इंतजार है। भारत छह टीमों के पूल में पांचवें स्थान पर है। टीम को अगर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखना है तो अपने अंतिम दो मैचों में आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। भारत

अपने अगले मुकाबले में 30 जुलाई को आयरलैंड से भिड़ेगा। टूर्नामेंट में धीमी शुरुआत करने वाली विश्व में पांचवें नंबर की ग्रेट ब्रिटेन की टीम ने जर्मनी के खिलाफ 1–2 की हार से शुरुआत करने के बाद लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम के तीन मैचों में छह अंक हो गए हैं। भारत को धीमी शुरुआत का खामियाजा भुगतना पड़ा। ब्रिटेन ने चारों क्वार्टर में एक–एक गोल दागा। टीम ने अपने पहले दो गोल शुरुआती मिनटों जबकि आखिरी दो गोल अंतिम मिनटों में किए।

सिंधु अंतिम 16 में, हांगकांग की चियुंग को सीधे गेम में हराया

टोक्यो (एजेंसी)।

गत विश्व चैंपियन भारत की पीवी सिंधू ने बुधवार को यहां ग्रुप जे में हांगकांग की एनवाई चियुंग को हराकर टोक्यो ओलंपिक की महिला एकल बैडमिंटन स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिंधू ने दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी चियुंग को 35 मिनट चले मुकाबले में 21–9 21–16 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

सिंधू की चियुंग के खिलाफ छह मुकाबलों में यह छठी जीत है। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू प्री क्वार्टर फाइनल में ग्रुप आई में शीर्ष पर रहने वाली डेनमार्क की दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट से भिड़ेंगी। सिंधू का ब्लिचफेल्ट के खिलाफ जीत–हार का रिकॉर्ड 4–1 है। डेनमार्क की खिलाड़ी ने सिंधू के खिलाफ एकमात्र जीत इस साल थाईलैंड ओपन में दर्ज की थी। सिंधू ने कहा कि यह आसान मुकाबला नहीं होने वाला। मुझे अच्छी तरह उबरना होगा और मजबूत वापसी करनी होगी। मैंने कुछ टूर्नामेंटों में उसका सामना किया है, प्रत्येक अंक महत्वपूर्ण होने वाला है। वह आक्रामक खिलाड़ी है इसलिए मुझे भी आक्रामकता दिखानी होगी। हैदराबाद की छठी वरीय खिलाड़ी सिंधू ने अपने पहले मैच में इजराइल की सेनिया पोलिकार्पोवा को हराया था। सिंधू ने अपने विविध शॉट और गति में परिवर्तन करने की काबिलियत से चियुंग को पूरे कोर्ट पर दौड़ाकर परेशान किया। चियुंग ने अपने क्रॉस कोर्ट रिटर्न ने कुछ अंक हासिल किए लेकिन हांगकांग की खिलाड़ी ने काफी सहज गल्तियां की जिससे वह सिंधू पर दबाव बनाने में विफल रही।

सिंधू ने अच्छी शुरुआत करते हुए स्कोर 6–2 किया और फिर 10–3 की बढ़त हासिल की। वह ब्रेक के समय 11–5 से आगे थी। ब्रेक के बाद सिंधू ने दबदबा बनाते हुए अपनी बढ़त को 20–9 किया और चियुंग के नेट पर शॉट मारने के साथ पहला गेम जीत लिया। चियुंग ने दूसरे गेम में बेहतर खेल दिखाया। उन्होंने सिंधू को रैली में उलझाया और दोनों खिलाड़ी 8–8 से बराबर चल रही थी। सिंधू ने इस दौरान चियुंग के शॉट को परखने में भी गलती की और फिर बाहर शॉट मारकर ब्रेक के समय हांगकांग की खिलाड़ी को एक अंक की बढ़त दे दी। चियुंग ने दबाव डालने का प्रयास किया लेकिन सिंधू ने दमदार स्मैश और बेहतर शॉट के साथ 19–14 की बढ़त बना ली। सिंधू को छह मैच प्वाइंट मिले। उन्होंने एक शॉट बाहर मारा और एक नेट पर उलझाया लेकिन फिर स्मैश के साथ मैच जीत लिया।

दीपिका ने मेडल की जगाई उम्मीद, प्रवीण जाधव हारे

टोक्यो (एजेंसी)। दीपिका कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को टोक्यो ओलंपिक की तीरंदाजी प्रतियोगिता की व्यक्तिगत स्पर्धा के तीसरे दौर में जगह बनाई। वहीं तरुणदीप राय और प्रवीण जाधव दूसरे दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रहे। वर्ल्ड की नंबर एक खिलाड़ी दीपिका को भी युमेनोशिमा पार्क पर चल रही हवाओं से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई। उन्होंने महिला रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग के पहले दौर में भूटान की कर्मा को 6–0 से हराया लेकिन 24वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेनिफर मुसिनो फर्नांडिस से उन्हें कड़ी चुनौती मिली। दीपिका ने यह मैच 6–4 से जीता। दीपिका का ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने अमेरिका की 18 वर्षीय जेनिफर के खिलाफ सात अंक से शुरुआत की। इससे उन्हें पहला सेट 25–26 से गंवाना पड़ा लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने परफेक्ट 10 के तीन स्कोर बनाकर 28–25 और 27–25 से जीत दर्ज करके बढ़त बना दी।चौथे सेट में दीपिका का दूसरा तीर बुल्स आई से काफी दूर चला गया और उन्हें केवल छह अंक

मिले। अमेरिकी तीरंदाज इसका फायदा उठाकर 25–24 से मुकाबले को बराबरी ला दिया। दीपिका को पांचवें सेट में जेनिफर की गलतियों का भी फायदा मिला जिसे इस भारतीय ने 26–25 से जीतकर मैच अपने नाम किया। इससे पहले दीपिका ने भूटान की कर्मा को 0–6 से हराया था। दीपिका ने पहले और दूसरे सेट में समान 8, 9 और 9 अंक बनाकर 26–23 के समान अंतर से जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे सेट में एक–एक परफेक्ट 10 जमाया लेकिन भूटानी तीरंदाज के लगातार गलतियों के कारण दीपिका ने इसमें भी 27–24 से आसान जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में राय और जाधव दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाये। राय को अपने से कम रैंकिंग के इजराइली खिलाड़ी इताय शैनी से शूट ऑफ में 5–6 से हार का सामना करना पड़ा जबकि जाधव अमेरिका के विश्व में नंबर एक ब्राडी एलिसन से 0–6 से हार गए। जाधव ने इससे पहले रुस ओलंपिक समिति के वर्ल्ड में नंबर दो गालसन बजारझापोव को 0–6 से करारी शिकस्त दी थी जबकि सेना में उनके सीनियर साथी राय ने यूक्रेन के ओलेक्सी हनबिन के खिलाफ 6–4 से रोमांचक जीत दर्ज की थी। पुरुष वर्ग में अब अतनु दास पर निगाहें टिकी हैं जो गुरुवार को ताइपै के देंग यु चेंग के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे।

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ रुपिंदर साबित हो सकते हैं तुरुप का इक्का

भारत की पुरुष हॉकी टीम का मुकाबला आज सुबह 6 बजे से

टोक्यो (एजेंसी)। पिछले मैच में शानदार वापसी करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम गुरुवार को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना की कड़ी चुनौती से पार पाकर तोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगी।

इस मैच में सबकी नजरें ड्रैगफ्लिकर रुपिंदर पाल सिंह पर होगी जिन्होंने ने स्पेन के खिलाफ दो गोल किए। इनमें से एक उन्होंने पेनल्टी स्ट्रोक और दूसरा पेनल्टी कॉर्नर पर किया। रुपिंदर इस मैच में तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं, क्योंकि इस समय वह बेहतरीन लय में हैं। विश्व में चौथे नंबर के भारत ने अभी तक तीन मैचों में दो जीत दर्ज की हैं और वह पूल ए में दूसरे स्थान पर है। इस पूल में ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक अपने तीनों मैच जीते हैं और वह शीर्ष पर है। अर्जेंटीना वर्तमान में विश्व में सातवीं रैंकिंग पर है। वह एक जीत, एक हार और एक ड्रा से चौथे स्थान पर है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3–2 की संघर्षपूर्ण जीत के बाद भारतीयों को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 1–7 की करारी हार का सामना करना पड़ा। पिछले चार दशक में पहले ओलिंपिक पदक की कवायद में लगी भारतीय टीम हालांकि स्पेन पर 3–0 की जीत से वापसी करने में सफल रही। भारत के आठ ओलिंपिक स्वर्ण पदकों में से आखिरी पदक 1980 में मास्को ओलिंपिक में आया था। अर्जेंटीना ने दूसरी तरफ अपना पहला मैच स्पेन से 1–1 से बराबर खेला जबकि मेजबान जापान को उसने 2–1 से हराया लेकिन ऑस्ट्रेलिया के हाथों उसे भी 2–5 से करारी हार झेलनी पड़ी थी। स्पेन पर जीत से मनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय टीम का मनोबल निश्चित तौर पर बढ़ा है, विशेषकर तब जबकि ऑस्ट्रेलिया ने उसके हौसले पस्त कर दिए थे। हालांकि भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड के अनुसार टीम को खेल के हर पहलू में सुधार करने की जरूरत है। स्पेन के खिलाफ मंगलवार को टीम ने कम से आठ पेनल्टी कॉर्नर गंवाए जो कि कोच के लिए चिंता का विषय है। रीड ने कहा, सुधार के लिहाज से काफी चीजों पर काम करना है। स्पेन के खिलाफ हमने भी काफी कॉनर्नर गंवाए और जब ऐसा होता है तो वह चिंता का विषय बन जाता है लेकिन रक्षण के लिहाज से टीम ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।

श्रीलंका की 4 विकेट से जीत, सीरीज में 1-1 से बराबर की, निर्णायक मुकाबला आज

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने भारत को दूसरे टी–20 में 4 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ 3 टी–20 मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर हो गई है। गुरुवार को खेले जाने वाले तीसरे टी–20 से सीरीज का फैसला होगा। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 132 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ने 20वें ओवर में 2 गेंद रहते 6 विकेट के नुकसान पर 133 रन बनाकर मैच जीत लिया। श्रीलंका को आखिरी 2 ओवर में जीत के लिए 20 रन चाहिए थे। इसके बाद 19वां ओवर भुवनेश्वर कुमार फेंकने आए। उन्होंने पहली 2 बॉल पर 2 रन दिए। तीसरी बॉल पर चमिका करुणारत्ने ने सिक्स लगाकर मैच पलट दिया। इस ओवर में भुवी ने 12 रन दिए। आखिरी ओवर में श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 8 रन चाहिए थे, जो उन्होंने आसानी से बना लिए। धनंजय डिसिल्वा 34 बॉल पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं चमिका करुणारत्ने ने 6 बॉल पर 12 रन की नाबाद पारी खेली। दूसरे टी20 में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट खोकर 132 रन बनाए. भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन कप्तान शिखर धवन ने बनाए. धवन ने 40 रनों की पारी खेली. इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल ने 29 और रुतुराज गायकवाड़ ने 21 रनों का योगदान दिया. श्रीलंका की ओर से अकिला धनंजय ने सबसे ज्यादा 2 विकेट झटके। इस मैच में भारत की तरफ से चार खिलाड़ियों ने अपना टी–20 डेब्यू किया। इसमें चेतन सकारिया, देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़ और नीतिश राणा का नाम शामिल है। यह मैच वैसे तो कल यानी मंगलवार को खेला जाना था, लेकिन स्पिन ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या के कोरोना पॉजिटिव होने की वजह से इसे एक दिन के लिए टाल दिया गया था।

स्कोर बोर्ड

भारत: गायकवाड़ कै. मिनोद बो. शनाका 21, धवन बो. धनंजय 40 पडिक्कल बो. हसारंगा 29, सैमसन बो. धनंजय 7, राणा कै. धनंजय बो. चमीरा 9 भुवनेश्वर (नाबाद) 13, सैनी (नाबाद)। अतिरिक्त 12, कुल (20 ओवर में) 5 विकेट पर 132 रन। **विकेट पतन**: 1–49, 2–81, 3–99, 4–104, 5–130। **गेंदबाजी**: चमीरा 4–0–23–1, करुणारत्ने 1–0–6–0, अकिला धनंजय 4–0–29–2, उडाना 1–0–7–0, हसरंगा 4–0–30–1, शनाका 2–0–14–1, धनंजय डिसिल्वा 2–0–13–0।

श्रीलंका: अविष्का कै. चाहर बो. भुवनेश्वर 11, मिनोद कै. चाहर बो. कुलदीप 36, समरविक्रमा बो. चक्रवर्ती 8, शनाका स्टं. सैमसन बो. कुलदीप 3, धनंजय सिल्वा (नाबाद) 40, हसरंगा कै. भुवनेश्वर बो. चाहर 15, मेंडिस कै. गायकवाड़ बो. साकरिया 2, करुणारत्ने (नाबाद) 12, **अतिरिक्त** 6, कुल (19.4 ओवर में) 6 विकेट पर 133 रन। **विकेट पतन**: 1–12, 2–39, 3–55, 4–66, 5–94, 6–105। गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4–0–21–1, सकारिया 3.4–0–33–1, चक्रवर्ती 4–0–18–1, चाहर 4–0–27–1, कुलदीप 4–0–30–2।

नहीं रहे भारत के महान बैडमिंटन खिलाड़ी नंदू नाटेकर

पुणे (एजेंसी)। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी नंदू नाटेकर का बुधवार को यहां निधन हो गया। वह 1956 में अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थे। नाटेकर 88 बरस के थे। अपने करियर में 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने वाले नाटेकर उम्र संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। उनके परिवार में बेटा गौरव और दो बेटियां हैं। गौरव ने बताया, "उनका घर में निधन हुआ और हम सभी उनके साथ थे। वह पिछले तीन महीने से बीमार थे। अपने समय के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले नाटेकर दुनिया के पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी थे। पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली में जन्मे नाटेकर को 1961 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया। नाटेकर परिवार ने बयान में कहा कि बेहद दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे पिता नंदू नाटेकर का 28 जुलाई 2021 को निधन हो गया। नाटेकर ने 15 साल से अधिक के अपने करियर के दौरान 1954 में प्रतिष्ठित आल इंग्लैंड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और 1956 में सेलांगर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतकर अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। उन्होंने 1951 से 1963 के बीच थॉमस कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने 16 में से 12 एकल और 16 में से आठ युगल मुकाबले जीते थे।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में भुवनेश्वर चहल की छलांग, कोहली और राहुल की रैंकिंग जस की तस

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान विराट कोहली और सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल बुधवार को जारी ताजा आईसीसी टी–20 इंटरनेशनल रैंकिंग में बल्लेबाजों की लिस्ट में क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर बरकरार हैं। राहुल और कोहली हालांकि

उस भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं, जो श्रीलंका में टी–20 सीरीज खेल रही है। लेकिन इस सीरीज में खेल रहे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को रैंकिंग में फायदा मिला, जो रविवार को हुए पहले टी–20 मैच में 22 रन देकर चार विकेट झटकने की बदौलत बॉलरों की लिस्ट में 16वें स्थान पर पहुंच गए। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल पहले मैच में किफायती रहे थे और उन्हें 10 पायदान का फायदा मिला, जिससे वे लिस्ट में 21वें नंबर पर पहुंचने में सफल रहे हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा अपने शानदार प्रदर्शन से दूसरे स्थान पर हैं। टी–20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में रोहित शर्मा नहीं खेलने के कारण 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि शिखर धवन 38 गेंद में 46 रन की पारी की बदौलत 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वनडे रैंकिंग में कोहली और रोहित टॉप 10 में पाकिस्तान के बाबर आजम के पीछे हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज एकमात्र भारतीय हैं। ऑलराउंडरों की लिस्ट में रविंद्र जडेजा नौवे स्थान पर बरकरार हैं।